



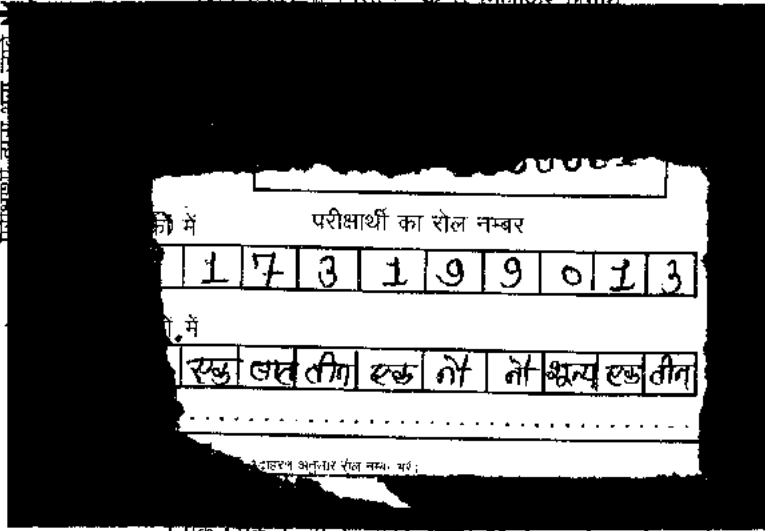
माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय विज्ञान	विषय कोड 200	परीक्षा का माध्यम हिन्दी
-----------------------------------	------------------------	------------------------------------

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिटाकर हटाएँ



परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	7	3	1	9	9	0	1	3
---	---	---	---	---	---	---	---	---

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केंद्र क्रमांक की मुद्रा

सुख लक्ष्मी सुख ने ने श्रम्य सुख तीन

एक एक दो चार तान नौ पाच छः आठ

प्रश्न क्रमांक	केवल परीक्षक द्वारा भ्रम	जावे।
1	केवल परीक्षक द्वारा भ्रम	प्रतिष्ठी करें। (अंकों में)
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में	

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक **9**

ग :- परीक्षा का दिनांक **10/03/2019**

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: **डी.बी. त्रिपाठी**

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर: **Rudh**

C.N. 311002

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्ता-नुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अग्ररूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

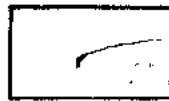
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, भोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएँ।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा: **ANITA WADSWANI**

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा: **14/2 00048**

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे
केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षक द्वारा भरा जावे
परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

2



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 2 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

1. रिक्त स्थान भरिए :

(i) पृथ्वी के क्रीड की त्रिज्या 3400 कि.मी. है।

(ii) हरी, बैंगनी एवं आँवला लीनी का मिश्रण त्रिरंग कहलाता है।

(iii) बृहस्पति सौर मण्डल का सबसे बड़ा ग्रह है।

(iv) आर्यभट्टीय ग्रन्थ के रचयिता आर्यभट्ट हैं।

2. 1 अश्व शक्ति = 746 वाट।

3. सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) — उत्तर → (b) ✓

(ii) — उत्तर → (b) ✓

(iii) — उत्तर → (b) ✓

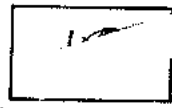
(iv) — उत्तर → (a) ✓

(v) — उत्तर → (a) ✓

4. सही जोड़ी मिलाइये -

(i) रक्त समूह "0" — सर्वदाता

3



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 3 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

(ii) माइलम

— पोछी में पानी का परिवहन

(iii) पकृत

— यूरिया का निर्माण

(iv) अम्ली का राजा

— सल्फ्यूरिक अम्ल (H₂SO₄)

(v) पारा

— सिनेबार (PbS)

4. एक वाक्य में उत्तर दीजिए !

B (i) — उत्तर → तीब्र बीजा

S (ii) — उत्तर → विटामिन (C)

E (iii) — उत्तर → चार

(iv) — उत्तर → खनिज

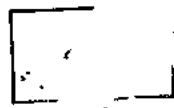
(v) — उत्तर → बहुलक

5. — उत्तर → परावर्तन के नियम निम्नलिखित हैं।

(i) आपतित, अपवर्तित किरण, आपतन बिन्दु पर अभिलम्ब तीनों एक ही सरल रेखा में होते हैं।

(ii) आपतित आपतन कोण लम्ब परावर्तन कोण के बराबर होते हैं।

4



यों पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 4 के अंक



प्रश्न क्र.

6. — उत्तर \rightarrow विद्युत द्वारा के रासायनिक प्रभाव द्वारा ~~दिली दूसरी~~ ~~सब सतह~~ किसी एक धातु की सतह पर किसी दूसरी उत्कृष्ट धातु की परत चढ़ाना विद्युत लेपन कहलाता है।

7. — उत्तर \rightarrow भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) नाम से जाना जाता है।

8. — उत्तर \rightarrow स्लैकीडल के समुख दो उपयोग निम्नलिखित हैं।

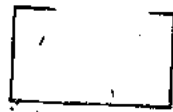
(i) विभिन्न प्रकार की बनावट बनाने में।

(ii) ईंधन पावर स्लैकीडल के रूप में।

(iii) पेंट चारनिस गोंद आदि बनाने के लिए।

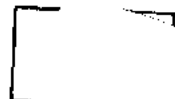
9. — उत्तर \rightarrow सखति के अयस्क जैसे हेमटाइट का सान्द्रण चुम्बकीय पृथक्करण द्वारा किया जाता है। जिलमे वो रोलरो में चलाया जाता है। चुम्बकीय धातु का अयस्क धातु के पास गिरता है। अशुद्धियां धातु के दूर गिरती हैं।

5



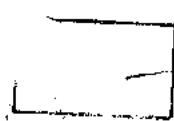
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 5 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

10. — उत्तर \rightarrow धातु \rightarrow पारेष को छोड़कर सभी पाई जाती है।
धातु को अवस्था में

- (i) धातु में आधात वर्धनीय एवं तन होती है।
- (ii) धातु विद्युत की कुचालक होती है।
- (iii) इनमें धात्विक चमक होती है।

अधातु \rightarrow (i) ये लौह + ध्रुव में तीन अवस्था में पाई जाती है।

- (ii) अधातु में भंगुर होती है।
- (iii) अधातु में धात्विक चमक नहीं होती है।
- (iv) अधातु विद्युत की कुचालक होती है।

11. — उत्तर \rightarrow ग्लोबल वार्मिंग गैसों के कारण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना ग्लोबल वार्मिंग कहलाता है।

कारण \rightarrow इसी का लगातार कटना (i) जीवाश्म ईंधन का अपूर्ण दहन होना (ii) रेफ्रिजरेटर से उत्पन्न फ्रीजिंग एजेंटों की (iii) रासायनिक खाद एवं मोटर वाहनों से नाइट्रोजन ऑक्साइड गैस उत्पन्न होना।



प्रश्न क्र.

12. — उत्तर →

(i) तुलसी → खांसी, भुखाम, बुखार, जड़ी
में दर्द, लडवा आदि बीमारियों में
इनका महत्व है।

(ii) नीम → नीम का उपयोग चर्म रोग,
कीटाणुनाशक, इनकी लडनियों का
उपयोग दातून के रूप में मधुरिया
भार, बुखार आदि रोगों के
निवारण के रूप में उपयोग किया जाता
है।

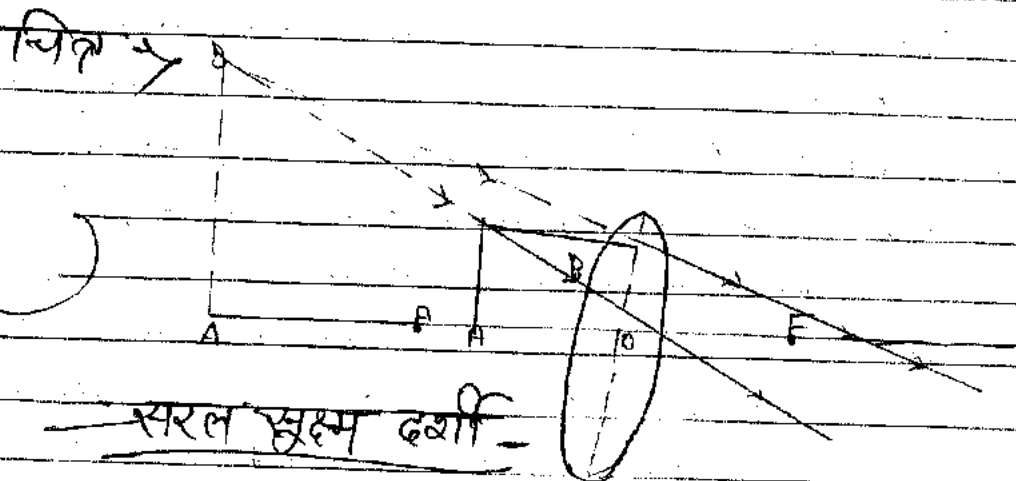
(iii) बेलडा → इस पौधे के सुखे फल
औषधीय गुणों से युक्त होते
हैं ये सुखे फल पेट के रोगों में
साक्षकारी होते हैं। इसका तेल शाबिया
नामक बीमारी में उपयोग होता है।

13. — उत्तर → सुरल सूक्ष्मदर्शी साधारण
उत्तल लेंस होता है छोटी लाल
इसकी सहायता से छोटी से सूक्ष्म पुंजों को
देखकर छोटी की मरम्मत करते हैं तथा
विद्यार्थी इसका उपयोग उपयोग
शाला में करते हैं।

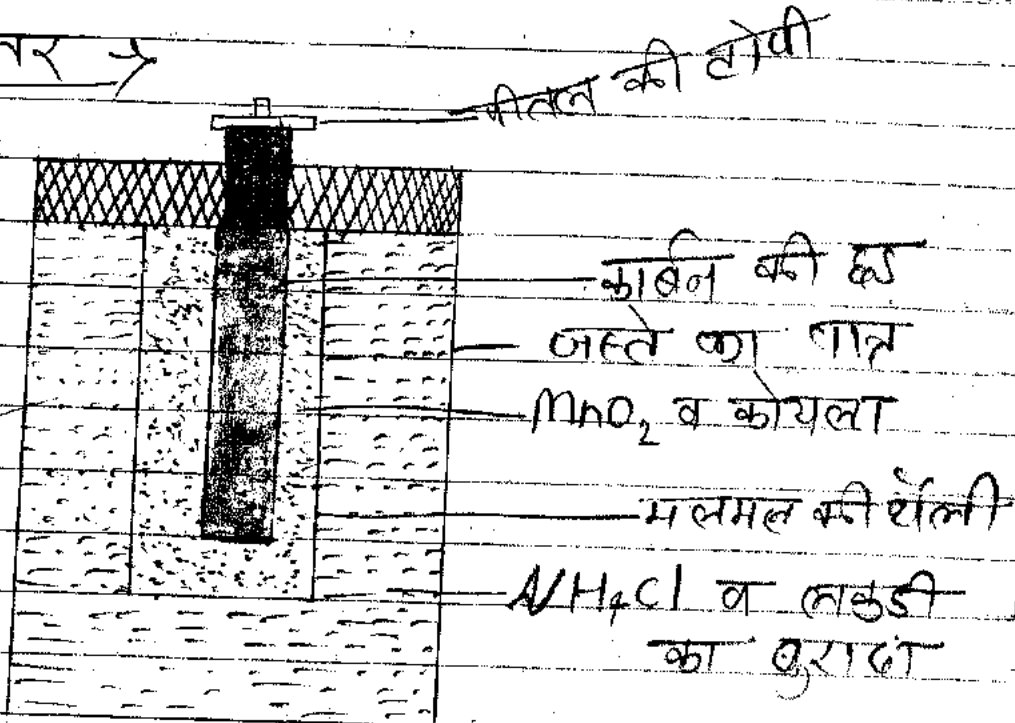
7

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

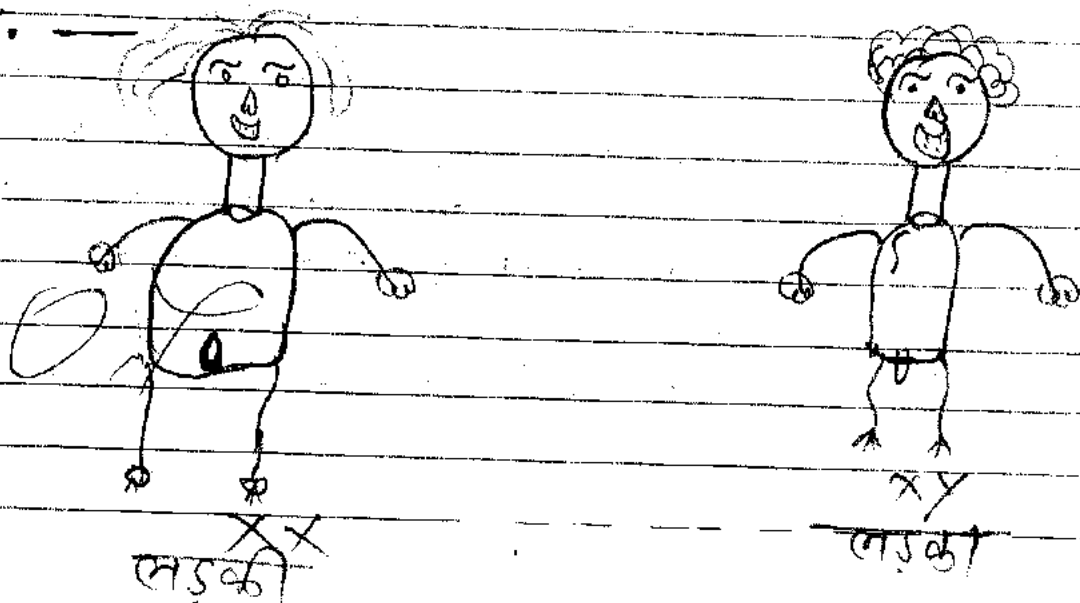
योग पूर्व पृष्ठ 7 के अंक अंक



19. — उत्तर →



15. —



8

□ +

□ =

□

पृष्ठ

पृष्ठ 8 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

17. लिंग-निर्धारण की त्रिपिंडु मनुष्य के एक ही शिशु के रूप में होती है। शिशु के लिंग निर्धारण के लिए माता एवं नर का वाहस जाड़े युग अतः समान होते हैं तथा माता का वाहस एवं नर का वाहस समान होता है अतः नर में मादा में प्रथम मादा युग युग शुरू पाया जाता है। मादा के वाहस द्वारा तथा नर के वाहस द्वारा त्रिपिंडु किया जाता है। प्रथम में दोषकण के युक्त युग पाए जाते हैं एक लम्बा का रफलता है तथा दोषकण युक्त लम्बा है।

B
S
E

17. — उत्तर — उच्च कार्बोअलिक सोडियम पोटेशियम के लवण साबुन कहलाते हैं। अपमार्जक कठोर जल में धारा उत्पन्न करते हैं परन्तु साबुन कठोर जल की उपस्थिति में लिथियम, अमोनिया के लवणों में प्रथम कठ परन्तु पानी में धारा उत्पन्न नहीं करती। अपमार्जक कठ में बूँदें साफ़ करते हैं। चिकनाई के बखले हटाते हैं इसलिए यह साबुन से उत्तम होता है।

18. — उत्तर — अम्ल से अम्ल लाल लिथमस पत्र को नीला कट देते हैं।
 (2) अम्ल धारी से उदासीन होकर लवण एवं जल बनाते हैं।
 (3) अम्ल जल में घुलकर उदासीन आयन देते हैं।

9

\square

योग पूर्व पृष्ठ

+

\square

पृष्ठ 9 के अंक

=

\square

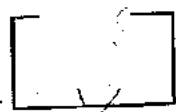
कुल अंक



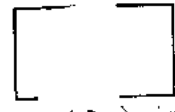
- प्रश्न क्र.
- (क) अम्ल कार्बोनेटों से लिया क़रके कार्बन डाई ऑक्साइड देते हैं।
 द्वार \rightarrow (1) ये नीले लिटमस पत्र को लाल कर देते हैं।
 - (ख) द्वार अम्लों से उदासीन होकर लवण एवं जल बनाते हैं।
 - (ग) कार्बोनेटों से लिया क़रके कार्बन डाई ऑक्साइड नहीं देते हैं।
 - (घ) द्वार जल में घुलकर हाइड्रॉक्सील के भायन देते हैं।
 - (ङ) ये लक्षारक होते हैं।
 - (च) ये कसले मोड़ कड़े होते हैं।

19. — उत्तर \rightarrow प्रकाश संश्लेषण (1) प्रकाश संश्लेषण की प्रिया हर लक़ पाद्यों में क्लोरोफिल की उपस्थिति में होती है।
- (2) ये प्रकाश की उपस्थिति में होती हैं।
 - (3) ये लक़ उपचय अभिप्राय हैं।
 - (4) इसमें पौधों का कुल भाग बढ़ता है।
 - (5) ये कार्बन डाई ऑक्साइड गैस ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन गैस छोड़ते हैं।

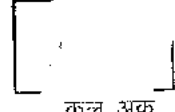
10



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 10 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

19. ये प्रकाश संश्लेषण की क्रिया पत्तियों में होती है।

उत्तर :-

- 1) ये क्रिया पौधों और जंतुओं दोनों में होती है।
- 2) ये क्रिया प्रकाश और अंधकार दोनों में होती है।
- 3) यह एक अपचय क्रिया है।

B
S
E

- 4) इसमें पौधों का शुद्ध भाग होता है।
- 5) इस क्रिया में ऑक्सीजन गैस बतला करते हैं और कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ते हैं।
- 6) ये क्रिया कोशिक के जीव द्रव्य एवं मैट्रो कालिया दोनों में सम्पन्न होती है।

20. - उत्तर :- लसीका 1) यह एक नीले रंग का द्रव उत्पन्न है।

- 2) इसमें प्रोटीन की मात्रा कम होती है।
- 3) इसमें हलाल रक्त कणिकाओं का पूर्ण अभाव होता है।
- 4) यह रक्त को तथा शोष पदार्थों सम्बन्धन करती है।

11

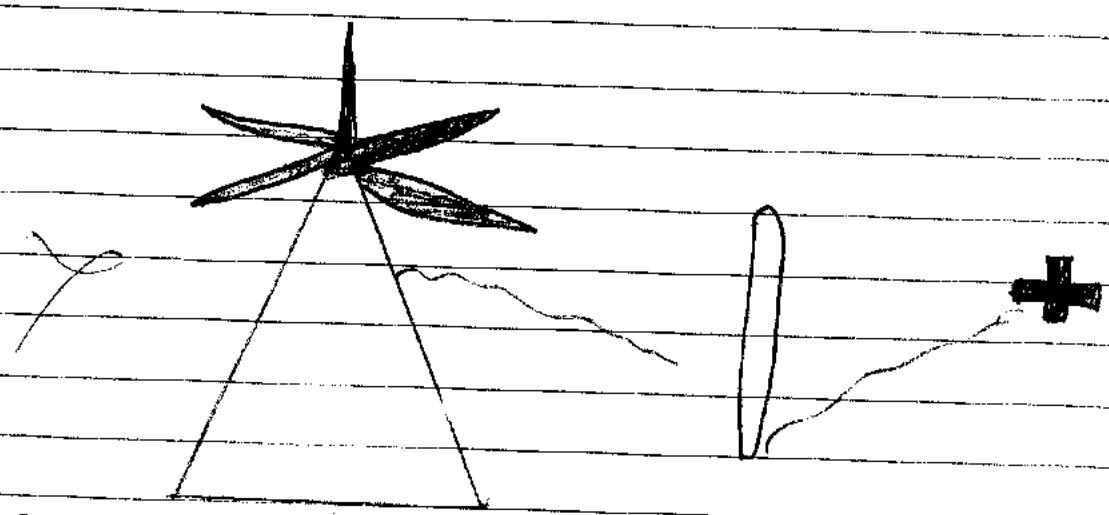
$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 11 के अंक कुल अंक



- रक्त →
- 1) यह लाल रंग का द्रव उत्पन्न है।
 - 2) इसमें खोलीन की मात्रा अधिक पाई जाती है।
 - 3) इसमें लाल रक्त कणिकाएं अधिक पाई जाती हैं।
 - 4) यह ऑक्सीजन गैस तथा कार्बन डाई आक्साइड गैस का परिवहन करती है।

15. — उत्तर →



कार्यकारी सिद्धान्त का वर्णन → जब पवन चक्की के ब्लेडों से वायु टकराती है तो उन ब्लेडों पर एक बल लगता है जिसमें ब्लेड घूमने लगते हैं ब्लेडों से घूमने के साथ-साथ पवन चक्की भी घूमने लगती है। पवन चक्की का घूर्णन इनके ब्लेडों की विशिष्ट बनावट के कारण सम्पन्न होता है जिस प्रकार

12

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 14 क

=

कुल अंक



प्रश्न क्र.

ब्लेडो को पेशी के समान वायु एकत्र करती है तो वायु गति बाल होती है। इसी प्रकार बूझ वायु के एकत्राने से ब्लेड तेजी से घूमने लगता है और पानी बहर ~~काल~~ माने लगता है।